उपनिदेशक कार्यालय, सार्वजनिक शिक्षा विभाग, कोलार जिला

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र–2

2020-21 MODEL QUESTION PAPER-2

समय:2.30 घंटे | **विषय :तृतीय भाषा हिंदी (61H)** | गरिष्टतम अंक:80

I निम्नलिखित प्रश्नों के लिए चार–चार विकल्प सुझाए गए है, उनमें से सर्वाधिक विकल्प चुनकर लिखिए – ***8x1=8***

1. निम्नलिखित में से बहुवचन है –
   A) आँख B) कपड़ा C) कमरा D) दायरें
2. "खरीदना" शब्द का विलोम रूप है –
   A) बेचना B) बरतन C) बच्चा D) भेजना
3. निम्न लिखित में से पुल्लिंग शब्द है –
   A) मित्र B) स्त्री C) गायिका D) लता
4. निम्नलिखित में से 'प्रथम प्रेरणार्थक' क्रिया रूप है –
   A) हँस B) हँसना C) हँसाना D) हँसवाना
5. "महेंद्र" शब्द में संधि है –
   A) दीर्घ B) गुण C) वृद्धी D) अयादि
6. "गुरुदक्षिणा" शब्द इस समास का उदाहरण है –
   A) कर्मधारय B) तत्पुरुष C) द्वन्द्व D) बहुव्रीही
7. पेड़ ---- से पत्त गिरा । खाली जगह में सही कारक होगा –
   A) को B) के C) ने D) से
8. यह गाय है । वाक्य में प्रयुक्त विराम चिह्न है –
   A) पूर्ण B) प्रश्नार्थक C) अल्प D) योजक

II निम्नलिखित प्रथम दो शब्दों के सूचित संबंधों के अनुरूप तीसरे शब्द का संबधित शब्द लिखिए–4x1=4

9. वसीयत : नाटक : ; चित्रलेखा : _____
10. नागपुर : संतरा : ; कश्मीर : _____
11. आई. टी : इनफरमेशन टैक्नोलाजी : ; आई.टी.ई.एस : _____
12. कर्नल : खुल्लर : ; मेजर : _____

III निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक वाक्य में लिखिए – ***4x1=4***

13. बालकृष्ण किससे शिकायत करता है ?
14. मुख किसका पालन–पोषण करता है ?
15. इंटरनेट का मतलब क्या है ?
16. अब्दुल कलाम के चचेरे भाई कौन थे ?

IV निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–तीन वाक्यों में लिखिए – 8x2=16

17. जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में क्या कहते थे ?
18. आजकल शिक्षित समाज में किसके बारे में विचार किया जाता है ?
19. गिल्लू के अंतिम दिनों का वर्णन कीजिए ।
20. बसंत राजकिशोर के पास क्यों नहीं लौटा ?
21. मातृभूमि के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए ।
22. कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति क्यों नाराज़ है ?
23. शनि ग्रह का वायुमंडल किन–किन गैसों से बना है ?

या

शनि एक ठंडा ग्रह है । क्यों

24. सत्य क्या होता है ? उसका रूप कैसे होता है ?

या

सत्य की शक्ति के बारे में गाँधीजी का कथन क्या है ?

V निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन–चार वाक्यों में लिखिए – 9x3=27

25. पंडित राजकिशोर मानवता के सच्चे व्यक्ति थे, कैसे ?
26. गिल्लू के कार्य–कलाप के बारे में लिखिए ।
27. सोशियल नेटवर्किंग साईट्स का समाज पर क्या प्रभाव पड़ रहा है ?
28. लेखक को भेजे गए निमंत्रण पत्र में क्या लिखा गया था ?
29. दिनकरजी के अनुसार मानव का सही परिचय क्या है ?
30. एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेंद्री ने क्या किया ?
31. समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए ?
32. **दोहे का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए –**

दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान ।
तुलसी दया न छाँडिये, जब लग घट में प्राण ॥

33. **गद्यांश का अनुवाद कन्नड या अंग्रेज़ी में कीजिए –**

कर्नाटक की प्राकृतिक सुष्मा नयन मनोहर है । पश्चिम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है । दक्षिण में नीलगिरि की पर्वतावलियाँ शोभायमान है ।

VI निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर पाँच – छः वाक्यों में लिखिए – 2x4=8

34. कर्नाटक की शिल्पकला का परिचय दीजिए ।

या

कन्नड़ भाषा तथा संस्कृति को कर्नाटक के साहित्यकारों की क्या देन है ? स्पष्ट कीजिए ।

35. निम्नलिखित कवितांश पूर्ण कीजिए –

असफलता _____
_____
_____
_____ भागो तुम ।

8x2=16

VII 36. *गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –* 1x4=4

सुभाषचंद्र बोस एक चतुर और कर्मशील व्यक्ति थे। देश को आज़ादी दिलाने के उद्देश्य से ही उन्होंने अंग्रेज़ी सरकार के ऊँचे पद को ठुकरा दिया था। वे भारत की स्वातंत्रता के वीर सेनानी थे। इसलिए अंग्रेज़ सरकार उनसे डरती थी। सुभाष को महात्मा गाँधीजी का विनम्र सत्याग्रह उचित नहीं लगा, अतः उन्होंने गाँधीजी का साथ छोड़ दिया। सुभाष ने ब्रिटीश युवराज के खिलाफ बहिष्कार का आंदोलन भी चलाया। परिणामस्वरूप उन्हें छः महिनों तक जेल में रखा गया था। सुभाष का जीवन देशप्रेम के लिए समर्पित था।

अ) सुभाषचंद्र बोस कैसे व्यक्ति थे ?

आ) सुभाषचंद्र ने अंग्रेज़ों के ऊँचे पद को क्यों ठुकरा दिया ?

इ) अंग्रेज़ सरकार सुभाष से क्यों डरती थी ?

ई) सुभाष ने गाँधीजी का साथ क्यों छोड़ दिया ?

VIII *37. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 12–15 वाक्यों में किसी एक विषय के बारे में निबंध लिखिए –* 1x4=4

अ) जनसंख्या की समस्या

* विषय प्रवेश
* जनसंख्या वृद्धि के कारण
* उपचार
* उपसंहार

आ) नागरिक के कर्तव्य

* विषय प्रवेश
* नागरिक के कर्तव्य
* नागरिक और सरकार
* उपसंहार

इ) इंटरनेट की उपयोगिता

* प्रस्तावना
* उपयोग
* महत्व
* उपसंहार

IX *38. निम्न लिखित विषय के बारे में पत्र लिखिए –* 1x5=5

अपने गाँव में होनेवाले त्योहार में भाग लेने के काराण बताते हुए प्रधान अध्यापक के नाम पत्र लिखिए।

या

प्रवास जाने के लिए रुपये भेजने का अनुरोध करते हुए अपने पिताजी के

STUDENT'S NAME तेजस्वी न्यास

CLASS 10th | SUBJECT हिन्दी

ROLL NO. | DATE

-: प्रतिदर्श प्रश्नपत्र :- 2

I

1६ वापरें

2६ भेजना

3६ मित्र

4६ हँसाना

5६ गुण

6६ तत्पुरुष

7६ से

8६ पूर्ण

II

9६ उपन्यास

10६ सेब

11६ इन्फारमेशन टैक्नॉलाजी दानवल्ड सर्विसेस

12६ राम

III

13६ बालकृष्ण यशोदा से शिकायत करता है।

14६ मुख सकल अंग को पालन - पोषण करता है।

15६ इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतजलों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है। इंटरनेट विश्वव्यापी कंप्यूटरों का अंतजलि (नेटवर्क) है।

16६ अब्दुल कलाम के चचेरे भाई शम्सुद्दीन थे।

IV

17५ जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में अब्दुल कलाम जी से यह कहते है कि जब तुम नमाज पढ़ते हो तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रंहांड का एक हिस्सा बन जाते हो जिससे दौलत, आयु जाति या धर्मपंथ का कोई भेद-भाव नही होता

18५ आजकल शिक्षित समाज मे प्रोटीन और विटामिन के बारे मे विचार किया जाता है।

19६ गिल्लू के अंतिम दिन जब आया, तब से दिन भर उसने न कुछ खाया, न बाहर गया। पंजे ठंडे हो गये थे। लेखिका ने उसे हीटर जलाया और उष्णता देने का प्रयत्न किया। प्रभात की किरण के साथ ही वह चिरनिद्रा मे सो गया।

20५ बसंत पं राजकिशोर के नोट लेकर भुनाकर वापस लौट रहा था। तब वह एक मोटर के नीचे था। मोटर उसके ऊपर से निकल जाने के कारण वह बेहोश हो गया था। इसलिए बसंत राजकिशोर के पास नहीं लौटा।

21६ मातृभूमि कविता के कवि भागवतीचरण वर्मा के अनुसार मातृभूमि के खेत हरे-भरे और सुंदर है। मातृभूमि के वन-उपवन, फल-फूलो से भरे हुआ है। मातृभूमि के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुआ है। मातृभूमि मुक्त हस्त से सुख संपत्ती धन धाम बाँट रही है। इस तरह मातृभूमि का प्रकृति सौंदर्य बहुत ही सुशोभित है।

CLASS SUBJECT
ROLL NO. DATE

२२६ कृष्ण अपनी माता यशोदा से इसलिए नाराज़ कि बलराम ने अन्य ग्वाल बालों के साथ मिल कर सदैव कृष्ण को सताति थे और छिढाथी थी यह सब देखकर भी यशोदा ने बलराम को कुछ नहि किया और क्रोधित भी नहि हुआ।

२३६ शनि ग्रह का वायुमंडल हाईड्रोजन, हीलियम मिथेन और अमोनिया गैसो से बना है।

(०५)

शनि ग्रह, सूर्य से पृथ्वी की अपेक्षा 10 गुना अधिक दूर है। उस ग्रह तक इसी कारण बहुत कम सूर्य ताप पहुँचाता है। शनि ग्रह का तापमान शून्य के नीचे 150° सेंटीग्रेड के आसपास होता है

२४६ सत्य बहुत भोला - भाला, बहुत ही सीधा - सादा जो कुछ भी अपनी आँखो से देखा, बिना नमक मिर्च लगाये बोल दिया - यही सत्य है। सत्य दृष्टि का प्रतिबिंब है; ज्ञान का प्रतिलिपी है, आत्मा की वाणी है।

(०५)

सत्य की शक्ति के बारे मे गाँधीजि का कथन है - 'सत्य एक विशाल वृक्ष है। उसका जितना आदर किया जाता है, उतने ही फल उसमें लगते है। उनका अंत नही होता

V

25) पं. राजकिशोर जी एक मानवीय व्यवहारवाले व्यक्ति है। कुछ खरीदे बिना ही बसंत को पैसे देना चाहते है। बसंत के हालत सुनकर वे छलनी खरीदने के लिए ~~तैयार~~ तैयार होते है। बसंत की दुर्घटना के बारे में सुनते ही वो तुरंत उसके मदद के लिए निकल पड़ते है। डॉक्टर को भी लेकर आने के लिए कहते हैं। बसंत को आगे की चिकित्सा के लिए अस्पताल लेजाने के लिए भी तैयार होते हैं।

26. गिल्लू के कार्यकलाप के बारे में लिखिए।

-ई लेखिका को आकर्षित करने के लिए गिल्लू उनके पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता था। उसी तेजी से उतरता था। लेखिका उठकर उसे पकड़ने तक उसका यह काम चलता था। गिल्लू कभी-कभी फूलदान के फूलों में, कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तियों में छिप जाता था। लेखिका के थाली के पास बैठकर गिल्लू एक-एक चावल उठाकर बड़ी सफाई से खाता था। लेखिका अस्पताल से आने के बाद गिल्लू तकिये पर सिरहाने बैठकर अपने नन्हे-नन्हे पंजों से उनके सिर और बालों को हौले-हौले सहलाता रहता। इस तरह गिल्लू उपने कार्य कलाप द्वारा सबको चकित करता था।

27) सोशल नेटवर्किंग एक क्रांतिकारी खोज है। इसने दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर खड़ा कर दिया है। इसके फेसबुक

आरकुट, ट्विटर, लिंकडइन, आदि नेटवर्किंग साईट्स है। इन साइटों के कारण देश-विदेश के लोगों की रहन सहन, वेश-भूषा, खान-पान तथा संस्कृति कला की जानकारी है।

(28) लेखक को लिखे गये निमंत्रण पत्र में लिखा गया था।

हम लोग इस शहर मे एक ईमानदार सम्मेलन कर रहे है। आप देश के प्रसिद्ध ईमानदार है। आप इस सम्मेलन का उद्घाटन करे। हम आपको आने-जाने का पहले दर्जे का किराया देंगे तथा आवास-भोजन आदिका उतम व्यवस्था करेंगे। आप के आगमन से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारो को बड़ी प्रेरणा मिलेगी।

(29) मानव-मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधना मानव की सिद्धि है। जो मानव दूसरे मानव से प्रेम को रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटायें वही मानव कहलाता है।

(30) एवरेस्ट की चोटी पर इतनी जगह नही थी कि दो व्यक्ति साथ-साथ खड़े हो सके। बिछेन्द्रि पाल फावड़े से पहले बर्फ की खुदाई कर अपने आप को सुरक्षित रूप से स्थिर किया। बाद मे अपने घुटनो के बल पर बैठी। बर्फ माथे को लगाकर सागर माथे के ताज का चुंबन किया बिना उठे अपने थैले से हनुमान व चालिसा और दुर्गा माँ का चित्र निकाला। साथ मे लाये लाल कपड़े मे लपेटा और छोटी-सी पूजा करके इनके बर्फ से दबा दिया उठकर अपने रज्जु नेता अंगदोरजी के प्रती आदर भाव से झुककर प्रणाम किया।

(31) समय अनमोल है। यह ईश्वर द्वारा मनुष्य को प्राप्त अनुपम धन है। समय रहते ही हमें अपने सारे काम पूरे कर लेने चाहिए। काम को टालना नहीं चाहिए। क्योंकि बीता हुआ समय लौटकर नहीं आता। आलस्य नहीं करना चाहिए स्वयं पर विश्वास रखते हुए अपने काम को पूरी लगन से करना चाहिए

32. प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास स्पष्टतः बताया है कि दया धर्म का मूल है और अभिमान पाप का। इसलिए कवि कहते हैं कि जब तक शरीर में प्राण है, तब तक मानव को अपना अभिमान छोड़कर दयालु बने रहना चाहिए।

(33) ಕೈಗಾರೀಕರಣದ ಪ್ರಾಕೃತಿಕ ಸೌಂದರ್ಯ ನಾಶವಾಗುತ್ತಿದೆ
ಯಾಕೆ : [illegible]
[illegible] : ದಕ್ಷಿಣದಲ್ಲಿ [illegible]
[illegible]

(34) कर्नाटक की शिल्पकला अनोखी है। बादामी, ऐहोल, पट्टदकल्लु के मंदिर की शिल्पकला और वास्तुकला अद्भुत है। बेलूर, हलेबीडु, सोमनाथपुर के मंदिर में पत्थर की मूर्तियाँ सजीव लगती हैं। यहाँ के मूर्तियाँ रामायण, महाभारत की कहानियाँ सुनाती हैं। श्रवणबेलगोल में 57 फूट ऊँची गोमटेश्वर की एकाशिला की प्रतिमा है। यह त्याग और शांति का संदेश दे रही है। विजयपुर की गोल गुम्बज़ ... शैली वास्तुकला का अद्वितीय है। मैसूर का राजमहल कर्नाटक के वैभव का प्रतीक है।

ARUN'S

[ध]

कनकिक के साहित्यकारों ने सारे संसार में कनतिक की कीर्ति फैलाई है। वचनकार बसवण्ण क्रांतिकारी समाज सुधारक थे। अक्कमहादेवी अल्लमप्रभु सर्वज्ञ अपने अनमोल वचनों द्वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी है पुरंदरदास, कनकदास आदि भक्त कवियों ने भक्ति नीति सदाचार के गीत गाये हैं। पंपा रन्ना, कुमार व्यास हरिहर, राघवांक आदि ने महान काव्यों की रचना कर कन्नड साहित्य तथा संस्कृति को समृद्ध बनाया है।

(35) असफलता एक चुनौति है। इसे स्वीकार करो क्या कमि रह गयी देखो और सुधार करो जब तक ना सफल हो नींद चैन को त्यागों तुम संघर्ष को मैदान छोड़कर मत भागों तुम।

(36) अ) सुभाषचंद्र बोस कर्मशील व्यक्ति थे।
आ) देश को आज़ादी दिलाने के उद्देश्य से ही उन्होंने अंग्रेजी के ऊँचे पद को ठुकरा दिया।
इ) सुभाष भारत कि स्वतंत्रता का वीर सेनानी थे इसलिए अंग्रेजी सरकार उनसे डरती थी।
ई) सुभाष को महत्म गाँधीजी का विनम्र सत्याग्रह उचित नहीं लगा इसलिए गाँधीजी का साथ छोड़ दिया।

वन महोत्सव

1. विषय प्रवेश :-

* आदिकाल से मनुष्य प्रकृति की गोद पाला-पोसा बड़ा हुआ है। मानव का जीवन वनों पर आश्रित हुआ है।

* मनुष्य को वनों से अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार से लाभ है। विभिन्न होते जड़ी-बूटियों, सुगंधित पदार्थ बनाने के साधन और कागज का सामान सभी वनों से मिलते है।

2. वृक्षों का उपयोग :-

* प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यावरण का आधार वन ही है। वन वर्षा में सहायक होते हैं तथा वायु को शुद्ध करते है। वन पृथ्वी को हरा-भरा, सुंदर और आकर्षक बनाने मे वृक्षों का बड़ा योगदान है।

बहुत हुआ फैशन के कारण वनो की कटाई अधिक होती जा रही है। जनसंख्या वृद्धि के कारण भी वनो का नाश होता जा रहा है।

4. उपसंहार :-

* वृक्षों को प्रति वर्ष जुलाई के प्रथम सप्ताह में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया जाता है।

* वन महोत्सव के कारण धीरे-धीरे वृक्षों की संख्या में वृद्धि होने लगी है।

* वन महोत्सव मास और वन महोत्सव सप्ताह के नाम से पूरे देश में वृक्षों को लगाया जा रहा है।

4. उपसंहार :-

* वृक्षों को लगाने से वनों में बढ़ोतरी होती है। आज अनेक सामाजिक संस्थाएँ वृक्षारोपण के लिए कई कार्यक्रम कर रही है।

* वन-जागृति से यह आशा कर सकते है कि हमारी धरती फिर से हरी-भरी हो जायेगी।

ARUN'S